



0750CHOI



# हम पंछी उन्मुक्त गगन के

ह



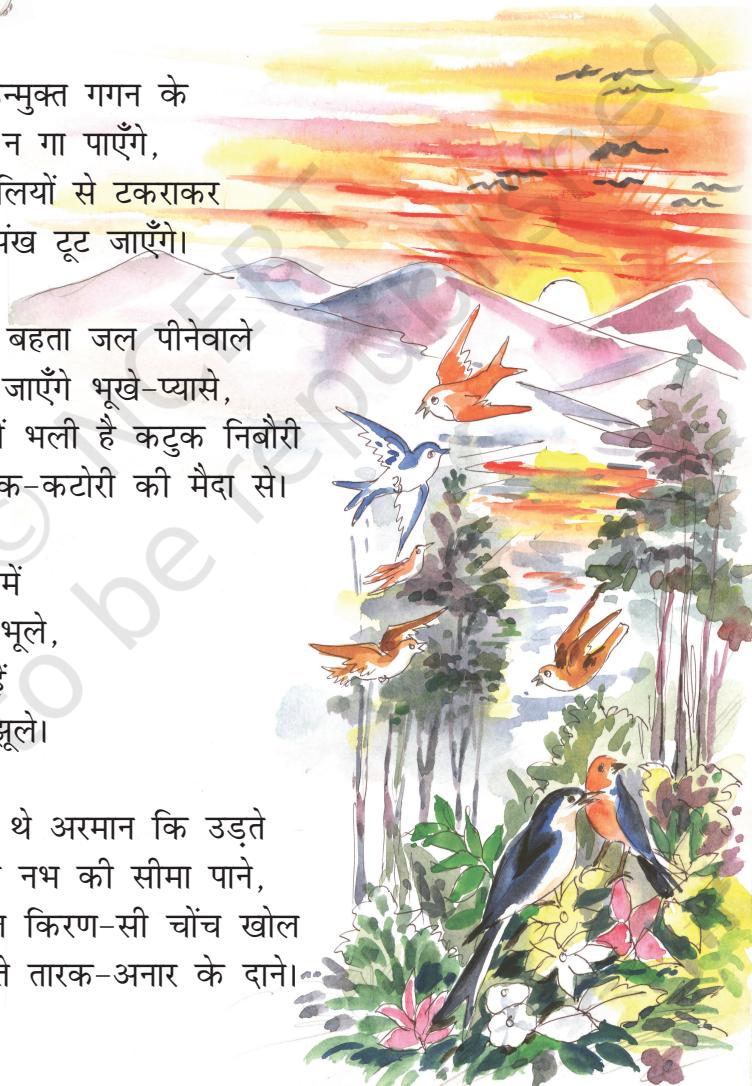
म पंछी उन्मुक्त गगन के  
पिंजरबद्ध न गा पाएँगे,  
कनक-तीलियों से टकराकर  
पुलकित पंख टूट जाएँगे।

हम बहता जल पीनेवाले  
मर जाएँगे भूखे-प्यासे,  
कहीं भली है कटुक निबौरी  
कनक-कटोरी की मैदा से।

स्वर्ण-शृंखला के बंधन में  
अपनी गति, उड़ान सब भूले,  
बस सपनों में देख रहे हैं  
तरु की फुनगी पर के झूले।



ऐसे थे अरमान कि उड़ते  
नीले नभ की सीमा पाने,  
लाल किरण-सी चोंच खोल  
चुगते तारक-अनार के दाने।





## वसंत भाग-2

होती सीमाहीन क्षितिज से  
इन पंखों की होड़ा-होड़ी,  
या तो क्षितिज मिलन बन जाता  
या तनती साँसों की डोरी।

नीड़ न दो, चाहे टहनी का  
आश्रय छिन्न-भिन्न कर डालो,  
लेकिन पंख दिए हैं तो  
आकुल उड़ान में विघ्न न डालो।

□ शिवमंगल सिंह 'सुमन'



## प्रश्न-अभ्यास

### कविता से

1. हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?
2. पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं?
3. भाव स्पष्ट कीजिए—  
या तो क्षितिज मिलन बन जाता / या तनती साँसों की डोरी।

### कविता से आगे

1. बहुत से लोग पक्षी पालते हैं—  
(क) पक्षियों को पालना उचित है अथवा नहीं? अपने विचार लिखिए।  
(ख) क्या आपने या आपकी जानकारी में किसी ने कभी कोई पक्षी पाला है?  
उसकी देखरेख किस प्रकार की जाती होगी, लिखिए।



हम पंछी उन्मुक्त गगन के



- पक्षियों को पिंजरे में बंद करने से केवल उनकी आज्ञादी का हनन ही नहीं होता, अपितु पर्यावरण भी प्रभावित होता है। इस विषय पर दस पंक्तियों में अपने विचार लिखिए।



## अनुमान और कल्पना

- क्या आपको लगता है कि मानव की वर्तमान जीवन-शैली और शहरीकरण से जुड़ी योजनाएँ पक्षियों के लिए घातक हैं? पक्षियों से रहित वातावरण में अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए हमें क्या करना चाहिए? उक्त विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कीजिए।
- यदि आपके घर के किसी स्थान पर किसी पक्षी ने अपना आवास बनाया है और किसी कारणवश आपको अपना घर बदलना पड़ रहा है तो आप उस पक्षी के लिए किस तरह के प्रबंध करना आवश्यक समझेंगे? लिखिए।



## भाषा की बात

- स्वर्ण-शूखला और लाल किरण-सी में रेखांकित शब्द गुणवाचक विशेषण हैं। कविता से ढूँढ़कर इस प्रकार के तीन और उदाहरण लिखिए।
- ‘भूखे-प्यासे’ में ढूँढ़ समास है। इन दोनों शब्दों के बीच लगे चिह्न को सामासिक चिह्न (-) कहते हैं। इस चिह्न से ‘और’ का संकेत मिलता है, जैसे— भूखे-प्यासे=भूखे और प्यासे।
  - इस प्रकार के दस अन्य उदाहरण खोजकर लिखिए।

